दिल्ली पब्लिक स्कूल,

गोलबार।

पुनरावृत्ति कार्य (अभ्यास-पत्र)

विषय : भाषा, वर्ण तथा स्वरों की मात्राएँ।

कक्षा :- तीसरी (मुख्य भाषा)

१०:- भाषा, वर्ण तथा स्वरों की मात्राएँ :-

प्र:- भाषा किसे कहते हैं?

उ:- भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने भाव या विचार बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं।

भाषा के दो रूप होते हैं:-

1. मौखिक रूप (बोलकर या लिखकर)
2. लिखित भाषा (लिखकर या पढ़कर)

वर्ण विचार :-

जिस प्रकार घर दीवारों से बनता है और दीवारें ईंटों से बनती हैं ठीक उसी प्रकार भाषा वाक्यों से बनती है, वाक्य शब्दों से बनते हैं और शब्द वर्णों के मेल से बनते हैं। अतः भाषा की मूल इकाई वर्ण है। इसके और खण्ड नहीं किए जा सकते हैं।

वर्ण के दो भेद हैं:-

1. स्वर
2. व्यंजन

1. स्वर :- स्वर वे ध्वनियाँ हैं जिनके उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता की आवश्यकता नहीं होती। जैसे - अ, आ, इ, ई आदि।

स्वर :- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ ।

व्यंजन :- व्यंजन वे ध्वनियाँ हैं जिनका उच्चारण स्वर की सहायता के बिना नहीं हो सकता है । जैसे :- क् + अ = क ।

व्यंजन : कवर्ग : क ख ग घ ङ
चवर्ग : च छ ज झ ञ
टवर्ग : ट ठ ड (ड़) ढ (ढ़) ण
तवर्ग : त थ द ध न
पवर्ग : प फ ब भ म
अंतस्थ : य र ल व
ऊष्म : श ष स ह

स्वर तथा उनकी मात्राएँ :-
स्वर मूल रूप से प्रयुक्त होते हैं तथा मात्राओं के रूप में भी । औरत, उतना, ऊन अनार आदि शब्दों में क्रमशः औ, उ, ऊ तथा अ मूल रूप में आए हैं ।
मात्राओं के मेल से बने शब्द देखिए :-

1. अ — र
2. आ — श
3. इ — दि
4. ई — बी
5. उ — सु
6. ऊ — भू
7. ऋ — वृ
8. ए — के
9. ऐ — भै
10. ओ — मो
11. औ — गौ

प्र:- भाषा किसे कहते हैं?

प्र:- स्वरों की मात्राएँ लिखकर दो - दो शब्दों में उनका प्रयोग कीजिए :-

स्वर	मात्रा	शब्द	शब्द
उ	—	—	—
ए	—	—	—
औ	—	—	—
ऋ	—	—	—
इ	—	—	—
ऐ	—	—	—

प्र:- स्वर और व्यंजन छाँटकर दिए गए स्थानों पर लिखिए—

ऋ, र, इ, म, अ, ड, त, ई, ए, स, औ,

ध, प, आ, ओ, क, ऐ, ट, ऊ, घ, ह, श

स्वर:-

व्यंजन:-

प्र:- वर्ण लिखिए:

क वर्ग —

च वर्ग —

प वर्ग —